



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 298]

नई दिल्ली, बुधवार, अप्रैल 27, 2016/वैशाख 7, 1938

No. 298]

NEW DELHI, WEDNESDAY, APRIL 27, 2016/VAISAKHA 7, 1938

पोत परिवहन मंत्रालय

(पोत परिवहन खंड)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 26 अप्रैल, 2016

सा.का.नि. 456 (अ).- वाणिज्य पोत परिवहन (करस्थम संदेश और नौ परिवहन चेतावनी) नियम, 1964 को विखंडित करने के लिए निम्नलिखित प्रारूप अधिसूचना, जिसे केंद्रीय सरकार साधारण खंड अधिनियम, 1897 (1897 का 10) की धारा 21 के साथ पठित वाणिज्य पोत परिवहन अधिनियम, 1958 (1958 का 44) की धारा 356 और 458 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 3, उपखंड (i) में सा.का.नि. 872 (अ) तारीख 17 नवंबर, 2015 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिसूचना कहा गया है) को सभी संभाव्य प्रभावित व्यक्तियों से उस तारीख से जब उक्त अधिसूचना की प्रतियां आम जनता को उपलब्ध कराई गई थी, से तीस दिन की अवधि के भीतर आक्षेप और सुझाव आमंत्रित करने के लिए प्रकाशित की गई थी;

उक्त अधिसूचना की प्रतियां आम जनता को 17 नवंबर, 2015 को उपलब्ध कराई गई थी ;

उक्त अधिसूचना के उत्तर में 30 दिन की विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आक्षेप या सुझाव प्राप्त नहीं हुए हैं ;

अतः केंद्रीय सरकार, साधारण खंड अधिनियम, 1897 (1897 का 10) की धारा 21 के साथ पठित वाणिज्य पोत परिवहन अधिनियम, 1958 (1958 का 44) की धारा 356 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अधिसूचना संख्या सा.का.नि. 157, तारीख 17 जनवरी, 1964 द्वारा भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 3, उपखंड (i) में प्रकाशित वाणिज्य पोत परिवहन (करस्थम संदेश और नौ परिवहन चेतावनी) नियम, 1964 को उन बातों के सिवाय अधिकांत करते हुए जिन्हें ऐसे अधिक्रमण से पूर्व किया गया है या करने का लोप किया गया है, विखंडित करती है।

[सं. 20019/2/9/2014 -एम ए]

आलोक श्रीवास्तव, अपर सचिव

**MINISTRY OF SHIPPING****(Shipping Wing)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 26th April, 2016

**G.S.R. 456 (E).**— Whereas, a draft notification to rescind the Merchant Shipping (Distress Messages and Navigational Warnings) Rules, 1964, which the Central Government proposes to issue, in exercise of the powers conferred by section 356 of the Merchant Shipping Act, 1958 (44 of 1958) read with section 21 of the General Clauses Act, 1897 (10 of 1897), was published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, section 3, sub-section (i) vide G.S.R. 872 (E), dated the 17<sup>th</sup> November, 2015 (hereinafter referred to as the said notification), inviting the objections or suggestions from all persons likely to be affected thereby within a period of thirty days from the date on which copy of the said notification were made available to the public;

And whereas, copies of the said notification were made available to the public on 17<sup>th</sup> November 2015;

And whereas, no objections or suggestions have been received in response to the said notification within the specified period of thirty days;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 356 of the Merchant Shipping Act, 1958 (44 of 1958) read with section 21 of the General Clauses Act, 1897 (10 of 1897), the Central Government hereby rescinds the Merchant Shipping (Distress Messages and Navigational Warnings) Rules, 1964, published in the Gazette of India, Part II, section 3, sub-section (i) vide notification number G.S.R 157, dated the 17th January, 1964, except as respects things done or omitted to be done before such rescission.

[No.20019/2/9/2014-MA]

ALOK SRIVASTAVA, Addl. Secy.